भारतीय लोक संस्कृति के संरक्षण की आवश्यकता- श्री माहुरकर

दीनारपुरा (सीकर राजस्थान) । भारत सरकार के सूचना आयुक्त श्री उदय माहुरकर ने कहा कि भारतीय लोक संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण की आवश्यकता है.सूचना आयुक्त आज सीकर के निकटवर्ती दिनारपुर गांव में ईश्वर सृष्टि के प्रकल्प के निरीक्षण के बाद उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे .यह जानकारी देते हुए ईश्वर सृष्टि अध्यक्ष कमलेश पारीक' कमल " ने बताया कि सूचना आयुक्त माहुरकर शेखावटी साहित्य संगम के कार्यक्रम के पश्चात ईश्वर सृष्टि में पधारे थे.

उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि भारत का अतीत गौरवशाली था और भविष्य भी उन्नत होगा .सन 2047 जब देश आजादी के शताब्दी वर्ष बना रहा होगा तब भारत विश्व गुरु के पद पर होगा . उन्होंने ईश्वर सृष्टि के प्राकृतिक चिकित्सा ,गौ संवर्धन, वैदिक विश्वविद्यालय व जैविक खेती के विभिन्न प्रकारों का प्रकल्पों की सराहना करते हुए कहा कि आज देश को प्रकार के विभिन्न प्रकार के प्रदूषणों के साथ-साथ वैचारिक और सांस्कृतिक प्रदूषण से भी बचने की आवश्यकता है . सामाजिक समरसता को भी बढ़ावा देने की अपील की. अवसर पर प्रकल्प के अध्यक्ष कल्पेश पारीक ने ईश्वर सृष्टि के विभिन्न आयामों की विस्तार पूर्वक जानकारी दी.इस अवसर पर पूर्व प्रशासनिक अधिकारी ईश्वर सिंह राठौड़ ,सामाजिक कार्यकर्ता दिलीप शर्मा श्रीमाधोपुर, नंदनी गौशाला के आनंद पारीकराकेश जांगिड़ ईश्वर सृष्टि चिकित्सालय के चिकित्सा प्रभारी डा नीरज ,जितेंद्र सिंह खीचड़ उपस्थित थे।

अंत में ट्रस्टी श्रीमती किरण पारीक ने आभार प्रकट किया।